(हरकोफैड)

Publication Date 01.09.2026
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 32
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

हरियाणा सहकारी प्रकाश

Haryana Sahkari Parkash

वर्ष : 57 / अंक 09 / 1 सितंबर, 2026
वार्षिक मूल्य : रु 500 / प्रति कापी : रु 50

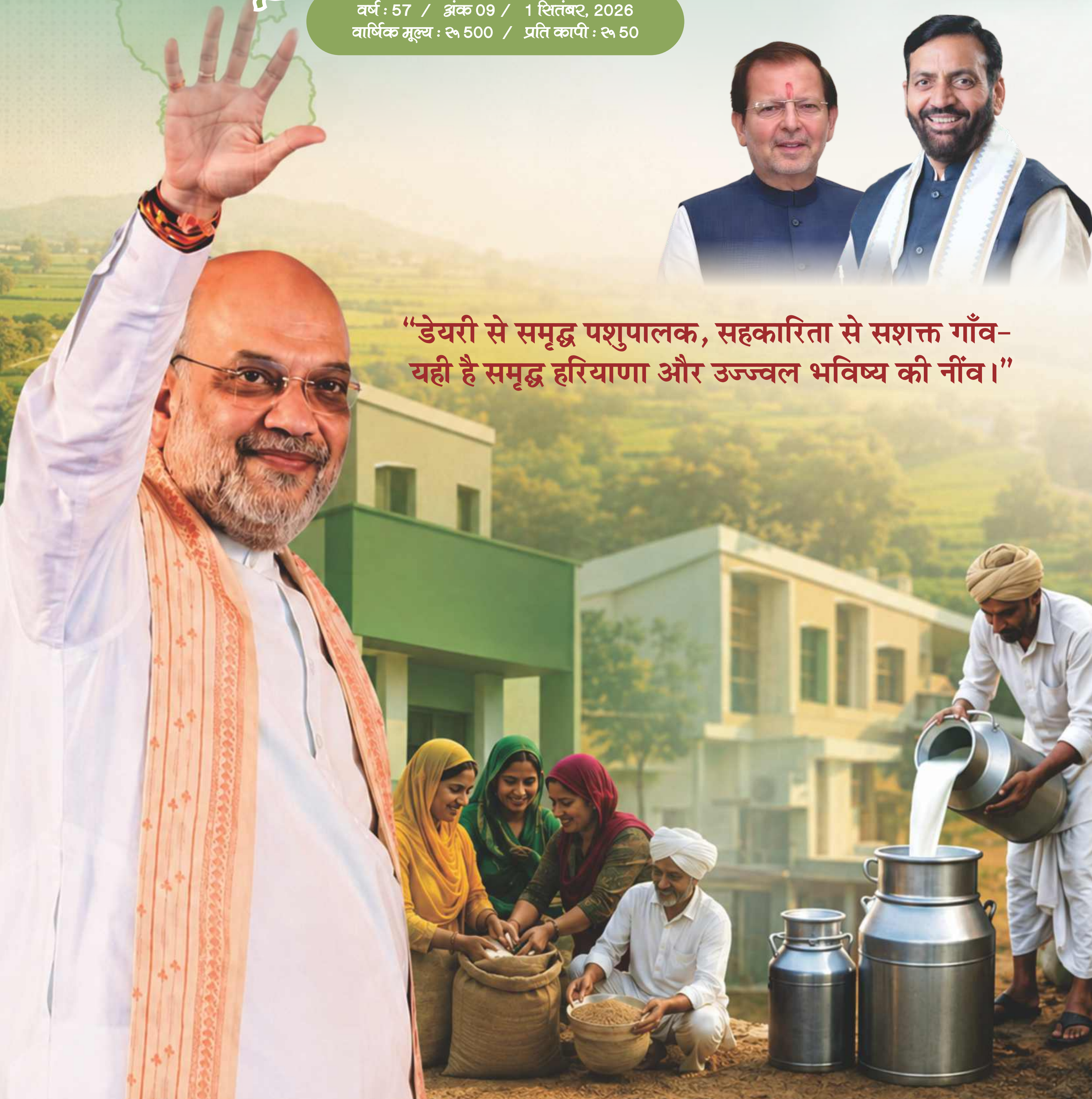

"डेयरी से समृद्ध पशुपालक, सहकारिता से सशक्त गाँव-
यही है समृद्ध हरियाणा और उज्ज्वल भविष्य की नींव।"

सहकार से समृद्धि   समृद्धि से आत्मनिर्भरता

सहकारिता विभाग, हरियाणा

तिरंगे की तीन धारियां हमें एकता त्याग और समृद्धि का संदेश देती हैं, और सहकारिता हमें सिखाती है कि जब हम मिलकर आगे बढ़ते हैं, तो गांव, किसान, गरीब, महिला और युवा - हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकता है।

तिरंगा हमारी पहचान है
सहकारिता हमारी ताकत है
और
विकसित भारत हमारा संकल्प है

डॉ. अरविंद कुमार शर्मा

माननीय सहकारिता मंत्री, हरियाणा सरकार

हरियाली तीज के पावन पर्व पर लोकभवन, हरियाणा (चण्डीगढ़) में आयोजित तीज उत्सव कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल हरियाणा प्रो. असीम कुमार घोष एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष जी को पुष्पगुच्छ देकर बधाई देते मुख्यमंत्री हरियाणा श्री नायब सिंह सैनी।

लोकभवन पंजाब (चण्डीगढ़)में माननीय राज्यपाल पंजाब एवं प्रशासक चण्डीगढ़ श्री गुलाब चंद कटारिया जी से शिष्टाचार भेंट करते सहकारिता मंत्री हरियाणा डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ।

दिनांक 30 जुलाई 2026 को पंचकूला स्थित रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, हरियाणा के मुख्यालय में हरियाणा सरकार की सहकारिता क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विकास परियोजनाओं एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक करते प्रधान सचिव सहकारिता हरियाणा श्री पंकज यादव भा.प्र.से। बैठक में उपस्थित रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा डॉ. सुभिता ढाका भा.प्र.से, प्रबंध निदेशक शुगरफैड कैप्टन शक्ति सिंह भा.प्र.से एवं सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी।

हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
पंकज यादव, भा.प्र.से.
प्रधान सचिव
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
डॉ. सुभिता ढाका, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
नरेश गोयल
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सम्पादक
सौरव अत्री

सुविचार

हर्ष और आनंद से परिपूर्ण जीवन केवल ज्ञान और विज्ञान के आधार पर सम्भव है।

-डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन।

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :–

क्र.सं.	विवरण प्रति प्रकाशन	रुपये
1.	पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन	30000/-
2.	पूरा पृष्ठ रंगीन	20000/-
3.	पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत	12000/-
4.	आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत	6000/-

इस अंक में पढ़िए

सम्पादकीय 6

शुगर मिलों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और किसानों की सुविधाएं बढ़ाने पर सरकार का फोकस 7-9

सहकारिता विभाग की भव्य तिरंगा यात्रा में गूंजा राष्ट्रभक्ति का संदेश 10-12

पलवल में जिला स्तरीय सहकारी जागरूकता सेमिनार का हुआ आयोजन 13-18

हरियाली तीज : नारी शक्ति, संस्कृति और सहकारिता का सुंदर संगम 19-20

दी किसान भारती सहकारी बहुउद्देशीय समिति लाडवी की वार्षिक आम सभा बैठक सम्पन्न 21

प्रैस कतरनें 22-23

हरकोफैड द्वारा अगस्त माह में किए गए कार्यक्रम 24-29

विज्ञापन 30

सम्पादकीय

गुरु से ज्ञान, हिंदी से पहचान और सहकारिता से समृद्धि

सितंबर का महीना भारतीय जीवन–मूल्यों की तीन महत्वपूर्ण धाराओं–शिक्षा, भाषा और सामूहिकता को एक साथ स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है। 5 सितंबर को शिक्षक दिवस और 14 सितंबर को हिंदी दिवस हमें केवल दो महत्वपूर्ण तिथियों की याद नहीं दिलाते, बल्कि यह संदेश देते हैं कि राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके ज्ञान, संस्कार, भाषा और एकजुटता में निहित है।

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के हाथों में होता है और उस भविष्य को आकार देने में शिक्षक की भूमिका सर्वोपरि है। शिक्षक केवल पुस्तकों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि वे विद्यार्थियों के भीतर विवेक, अनुशासन, संवेदनशीलता, आत्मविश्वास और राष्ट्रप्रेम के संस्कार विकसित करते हैं। एक सच्चा शिक्षक विद्यार्थी को केवल सफल बनने की प्रेरणा नहीं देता, बल्कि उसे सार्थक और जिम्मेदार नागरिक बनने का मार्ग दिखाता है। बदलते समय में तकनीक भले ही शिक्षा के साधनों को बदल रही हो, लेकिन शिक्षक के मार्गदर्शन, प्रेरणा और मानवीय स्पर्श का महत्व सदैव बना रहेगा।

इसी प्रकार भाषा किसी समाज की आत्मा और उसकी पहचान का आधार होती है। हिंदी हमारे विचारों, भावनाओं और सांस्कृतिक विरासत को व्यापक समाज से जोड़ने वाली सशक्त कड़ी है। हिंदी दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हिंदी का सम्मान केवल समारोहों और नारों तक सीमित न रहे, बल्कि उसके सहज, सरल और प्रभावी प्रयोग को दैनिक जीवन कार्यालयीन कार्यों में बढ़ावा मिले। जनभाषा में किया गया संवाद अधिक प्रभावशाली, आत्मीय और जनसुलभ होता है। हिंदी को सम्मान देना अपनी सांस्कृतिक चेतना और भाषाई विरासत को सम्मान देना है।

शिक्षा और भाषा की शक्ति को जब सहकारिता की भावना का साथ मिलता है, तो विकास का मार्ग और अधिक व्यापक हो जाता है। सहकारिता हमें सिखाती है कि अकेले की उपलब्धि सीमित हो सकती है, लेकिन सामूहिक प्रयास बड़े परिवर्तन का आधार बन सकता है। किसान, महिला, युवा और ग्रामीण समुदाय जब संगठित होकर आगे बढ़ते हैं, तो आत्मनिर्भरता केवल एक विचार नहीं रहती, बल्कि विकास की वास्तविक शक्ति बन जाती है।

आज आवश्यकता केवल ज्ञान अर्जित करने की नहीं, बल्कि ज्ञान को समाज के हित में उपयोग करने की है। आवश्यकता केवल हिंदी बोलने की नहीं, बल्कि हिंदी के माध्यम से जन–जन तक सूचना, जागरूकता और अवसर पहुंचाने की है। आवश्यकता केवल सहकारी संस्थाओं की सदस्यता की नहीं, बल्कि उनके मूल मंत्र–सहयोग, सहभागिता और साझा प्रगति को जीवन में अपनाने की है।

इस संदर्भ में शिक्षक दिवस, हिंदी दिवस और सहकारिता का संदेश एक–दूसरे से जुड़ जाता है। शिक्षक ज्ञान का दीप जलाता है, हिंदी उस प्रकाश को जन–जन तक पहुंचाती है और सहकारिता उस प्रकाश को सामूहिक विकास की शक्ति में बदल देती है।

आइए, इस सितंबर हम तीन संकल्प लें–गुरुओं का सम्मान करेंगे, हिंदी का सम्मानपूर्वक और प्रभावी प्रयोग करेंगे तथा सहकारिता के माध्यम से "मैं" से "हम" की ओर बढ़ेंगे। यही भाव एक शिक्षित, जागरूक, आत्मनिर्भर और सशक्त समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

"हरकोफैड का संदेश है– ज्ञान से जागृति, हिंदी से एकता और सहकारिता से आत्मनिर्भरता यही विकसित भारत की सशक्त दिशा है।"

शुगर मिलों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और किसानों की सुविधाएं बढ़ाने पर सरकार का फोकस

4 फीट की दूरी पर गन्ना बिजाई को मिलेगा बढ़ावा, किसानों से हर चार महीनों में संवाद करेंगे मिलों के प्रबंध निदेशक

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

दिनांक 8 अगस्त 2026 को हरियाणा निवास चण्डीगढ़ में हरियाणा स्टेट फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर मिल्स की समीक्षा बैठक मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी की अध्यक्षता में हुई जिसमें सहकारिता मंत्री डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा समेत सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। माननीय मुख्यमंत्री ने मिलों के प्रबंध निदेशकों से सीजन के दौरान हुई स्टॉपेज के घंटों की जानकारी ली। उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मिलों के संचालन में अनावश्यक स्टॉपेज को न्यूनतम रखा जाए और मशीनरी की समय पर मेंटेनेंस तथा जरूरी स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता पहले से सुनिश्चित की जाए।

बैठक में प्रदेश की सहकारी शुगर मिलों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए उत्पादन लागत कम करने, चीनी की रिकवरी बढ़ाने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मिलों की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है।

गन्ना तुलाई केंद्रों पर किसानों के सुझाव हेतु लगाई जायेंगी सुझाव पेटियां

मुख्यमंत्री ने किसानों से सीधा संवाद बढ़ाने पर जोर देते हुए निर्देश दिए कि शुगर मिलों के गन्ना तुलाई केंद्रों पर सुझाव पेटियां लगाई जाएं, जिनमें किसान अपनी समस्याएं और सुझाव दे सकें। संबंधित अधिकारी इन्हें नियमित रूप से चेक करें और प्राप्त सुझावों एवं शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी सहकारी शुगर मिलों के प्रबंध निदेशकों को प्रत्येक चार महीनों में किसानों के साथ बैठक आयोजित करने के भी निर्देश दिए, ताकि किसानों की समस्याओं और सुझावों पर सीधे चर्चा हो तथा उपयोगी सुझावों को मिलों की कार्यप्रणाली में शामिल किया जा सके। विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि किसानों द्वारा दिये गये वाजिब सुझावों पर त्वरित कार्यवाही की जाये।

4 फीट की दूरी पर गन्ना बिजाई को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ना प्रौद्योगिकी मिशन के तहत बजट घोषणा के अनुरूप 4 फीट की दूरी पर चौड़ी कतारों में गन्ना रोपण करने वाले किसानों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि 3 हजार रुपये प्रति एकड़ से बढ़ाकर 5 हजार रुपये प्रति एकड़ की गई है। उन्होंने अधिकारियों को योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक किसान इसका लाभ उठा सकें।

नई और अधिक उत्पादन देने वाली गन्ना किस्में किसानों तक पहुंचे, चार नई टिशू कल्चर लैब होंगी स्थापित

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि भारत सरकार द्वारा स्वीकृत गन्ने की नई और अधिक उत्पादन देने वाली किस्मों को हरियाणा में अपनाने में अनावश्यक देरी न की जाए। प्रदेश में किसी अच्छी वैरायटी के बीज की उपलब्धता कम होने पर दूसरे राज्यों से भी इसकी व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि गन्ने की गुणवत्ता में सुधार से किसानों की उत्पादकता बढ़ने के साथ शुगर मिलों की रिकवरी में भी सुधार होगा।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार के बीज पोर्टल पर नई एवं उन्नत किस्मों के बीज का इंडेंट समय पर भेजना सुनिश्चित किया जाए, ताकि अच्छी किस्मों के बीज की अधिक से अधिक उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। प्रदेश में किसी अच्छी किस्म के बीज की उपलब्धता कम होने पर दूसरे राज्यों से भी इसकी व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को गन्ने की उन्नत एवं गुणवत्तापूर्ण किस्मों का बीज उपलब्ध करवाने के लिए रोहतक, महम, पानीपत और पलवल करनाल शुगर मिलों में चार टिशू कल्चर लैब स्थापित की जाएंगी। इससे किसानों को बेहतर गुणवत्ता का बीज उपलब्ध होगा तथा गन्ने की उत्पादकता के साथ–साथ शुगर मिलों की रिकवरी में भी सुधार होगा।

तकनीकी स्टाफ की कमी दूर करने के लिए पॉलिटेक्निक और आईटीआई से होगा समन्वय

शुगर मिलों में तकनीकी स्टाफ की कमी को देखते हुए मुख्यमंत्री ने पॉलिटेक्निक कॉलेजों और आईटीआई के माध्यम से आवश्यक तकनीकी स्टाफ उपलब्ध करवाने की दिशा में काम करने के निर्देश दिए। युवाओं को शुगर मिलों की मशीनरी और तकनीकी जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण देने पर भी जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने मिल परिसरों को साफ–सुथरा और व्यवस्थित रखने तथा आवश्यकता के अनुसार उनके सौंदर्यीकरण और बेहतर रखरखाव के भी निर्देश दिए।

सोनीपत की पुरानी शुगर मिल को शिफ्ट करने पर होगा काम

मुख्यमंत्री ने सोनीपत की पुरानी शुगर मिल को वर्तमान स्थान से बाहर उपयुक्त स्थान पर शिफ्ट करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नई मिल स्थापित होने तक मौजूदा मिल की मशीनरी और अन्य व्यवस्थाओं का उचित रखरखाव करते हुए उसका संचालन सुचारू रखा जाए।

कैथल में गन्ना हार्वेस्टिंग मशीनों का पायलट प्रोजेक्ट

गन्ने की कटाई के लिए श्रमिकों की कमी की समस्या को देखते हुए मुख्यमंत्री ने पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर कैथल शुगर मिल को हार्वेस्टिंग मशीनें उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। इन मशीनों के माध्यम से किसानों के खेतों में गन्ने की कटाई कर उसे सीधे शुगर मिल तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी। इससे किसानों को श्रमिकों की कमी की समस्या से राहत मिलेगी। पायलट प्रोजेक्ट के परिणामों के आधार पर इस व्यवस्था को अन्य शुगर मिल क्षेत्रों में भी बढ़ाने पर विचार किया जाएगा।

स्ओर मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर की सराहना, सभी मिलों में उपयोग होगा अनिवार्य

मुख्यमंत्री ने शुगर मिलों की मशीनरी की मेंटेनेंस के लिए सेंट्रलाइज्ड टेंडर व्यवस्था अपनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सहकारी शुगर मिलों में स्टोर मैनेजमेंट के लिए स्थापित किए गए सॉफ्टवेयर की सराहना की और निर्देश दिए कि सभी सहकारी शुगर मिलों में इसका उपयोग अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी मिल को आवश्यक स्पेयर पार्ट दूसरी मिल के स्टोर में उपलब्ध है तो संबंधित एम.डी. आपसी समन्वय से उसका उपयोग करें। इससे नई खरीद में लगने वाला समय और पैसा बचेगा तथा मिलों की स्टॉपेज भी कम होगी।

फार्मास्यूटिकल सिरप में इस्तेमाल हो सकेगी रोहतक मिल की चीनी

हरियाणा राज्य सहकारी चीनी मिल संघ के प्रबंध निदेशक कैप्टन शक्ति सिंह ने बताया कि रोहतक शुगर मिल की चीनी की गुणवत्ता में सुधार के लिए लगातार काम किया जा रहा है। निर्धारित गुणवत्ता हासिल होने पर रोहतक मिल की चीनी का इस्तेमाल फार्मास्यूटिकल कंपनियों द्वारा सिरप निर्माण में किया जा सकेगा।
हरियाणा राज्य सहकारी चीनी मिल संघ के प्रबंध निदेशक कैप्टन शक्ति सिंह ने बताया कि रोहतक शुगर मिल की चीनी की गुणवत्ता में सुधार के लिए लगातार काम किया जा रहा है। निर्धारित गुणवत्ता हासिल होने पर रोहतक मिल की चीनी का इस्तेमाल फार्मास्यूटिकल कंपनियों द्वारा सिरप निर्माण में किया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में पानीपत, रोहतक, करनाल, शाहबाद, गोहाना, सोनीपत, जींद, पलवल, महम और कैथल सहित कुल 10 सहकारी शुगर मिलें हैं, जिनकी कुल पेराई क्षमता 30,650 टीसीडी है। इन मिलों में चीनी के साथ बिजली और एथेनॉल का भी उत्पादन किया जा रहा है।

ऑफ सीजन में भी बिजली उत्पादन की संभावनाएं तलाशी जाएंगी

मुख्यमंत्री ने ऑफ सीजन में भी शुगर मिलों से बिजली उत्पादन जारी रखने की संभावनाओं पर काम करने के निर्देश दिए। आवश्यकता के अनुसार मिलों की क्षमता बढ़ाने और आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित करने पर भी जोर दिया गया। मिलों में तैयार गुड़ को हरित एवं वीटा स्टोर के माध्यम से उपभोक्ताओं तक पहुंचाने पर भी चर्चा हुई। वहीं, करनाल और रोहतक शुगर मिलों द्वारा एक किलोग्राम की पैकिंग में रिफाइंड चीनी उपलब्ध करवाने की जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य सहकारी शुगर मिलों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ–साथ गन्ना किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। इसके लिए मिलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रबंधन और किसानों के साथ निरंतर संवाद के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा।

समीक्षा बैठक के दौरान सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा के अलावा मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजेन्द्रा कुमार, हरियाणा सहकारिता विभाग के प्रधान सचिव श्री पंकज यादव, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव–श्री अजय कुमार, हरियाणा सहकारी समितियों की रजिस्ट्रार डॉ. सुभिता ढाका सहित अन्य अधिकारीगण के साथ–साथ चीनी मिलों के निर्वाचित निदेशकगण व विभिन्न मिलों के गन्ना उत्पादक भी मौजूद थे।

सहकारिता विभाग की भव्य तिरंगा यात्रा में गूंजा राष्ट्रभक्ति का संदेश

सहकारिता मंत्री डा. अरविंद कुमार शर्मा ने तिरंगा यात्रा को दिखाई हरी झंडी, 500 से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों ने लिया हिस्सा

'सहकारिता एकता और सामूहिक शक्ति का प्रतीक, विकसित हरियाणा और विकसित भारत के निर्माण में निभाएगी अहम भूमिका'

– डॉ. अरविंद कुमार शर्मा

दिनांक 17 अगस्त 2026 को सहकारिता विभाग, हरियाणा द्वारा सैक्टर–2 पंचकुला स्थित सहकारिता मुख्यालय से हर घर तिरंगा अभियान–2026 के अंतर्गत भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री हरियाणा डॉ. अरविंद कुमार शर्मा जी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तिरंगा यात्रा में सहकारिता विभाग एवं प्रदेश की विभिन्न सहकारी संस्थाओं के 500 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हाथों में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। **भारत माता के जयघोष** और देशभक्ति की भावना से सराबोर इस यात्रा ने सहकारिता परिवार की राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में प्रदेश की प्रमुख सहकारी संस्थाओं के चेयरमैन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इनमें हरकोबैंक चेयरमैन श्री भारत भूषण जुयाल, एच.एस.सी.ए.आर.डी.बी चेयरमैन श्री सुभाष कलसाना, लेबरफैड चेयरमैन श्री देवेंद्र पांचाल तथा हाउसफैड चेयरमैन श्री सुभाष बंसल शामिल रहे।

इस अवसर पर रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा डॉ. सुभिता ढाका, शुगरफैड के एम.डी कैप्टन शक्ति सिंह, हैफेड के सचिव श्री प्रदीप अहलावत, सहित प्रदेश की विभिन्न सहकारी संस्थाओं के प्रबंध निदेशक, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

'तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक': डा. अरविंद कुमार शर्मा

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि तिरंगा भारत की आन, बान और शान का प्रतीक है। इसमें देश की एकता, अखंडता, त्याग, वीरता और करोड़ों देशवासियों की भावनाएं समाहित हैं। **हर घर तिरंगा अभियान** प्रत्येक भारतीय को राष्ट्र के प्रति अपने गौरव और जिम्मेदारी को व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि सहकारिता और राष्ट्रनिर्माण की भावना एक–दूसरे से जुड़ी हुई हैं। जिस प्रकार तिरंगा देश की एकता का प्रतीक है, उसी प्रकार सहकारिता भी 'एकता में शक्ति' के सिद्धांत पर आधारित है। जब किसान, श्रमिक, महिलाएं और समाज के विभिन्न वर्ग एकजुट होकर सामूहिक रूप से आगे बढ़ते हैं, तो आर्थिक एवं सामाजिक विकास की गति कई गुना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में सहकारिता आंदोलन को नई मजबूती मिली है। सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक, पारदर्शी और जन–केंद्रित बनाते हुए इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा आमजन की आर्थिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार बनाया जा रहा है। हरियाणा में सहकारिता विभाग और सहकारी संस्थाएं किसानों,

ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं तथा समाज के विभिन्न वर्गों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। पैक्स के माध्यम से महिलाओं को नई जिम्मेदारियां और अवसर प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे सहकारिता के क्षेत्र में महिला शक्ति की भागीदारी और अधिक मजबूत हो रही है। निकाली गई तिरंगा यात्रा केवल राष्ट्रभक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि सहकारिता के माध्यम से एकजुट होकर प्रदेश और देश के विकास में योगदान देने का संकल्प है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आह्वान किया कि वे सहकारिता की योजनाओं और सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करें।

'सहकारिता जागरूकता अभियान के माध्यम से जन-जन तक पहुंच रहा विभाग': डॉ. सुभिता ढाका

इस अवसर पर डॉ. सुभिता ढाका, ने सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा का तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने तथा यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग द्वारा प्रदेशभर में सहकारिता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य सहकारिता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाना तथा आम लोगों को सहकारी संस्थाओं के माध्यम से संचालित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी उपलब्ध करवाना है।

डॉ. ढाका ने कहा कि विभाग द्वारा प्रदेश के हर कोने और गांव-गांव तक पहुंचकर लोगों को सहकारिता से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। लोगों को सहकारी संस्थाओं की भूमिका, उनके लाभ तथा सरकार द्वारा संचालित जनहितकारी सहकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग सहकारिता आंदोलन का हिस्सा बनकर आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें। विभाग का प्रयास है कि सहकारिता का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और हरियाणा में सहकारिता आंदोलन को और अधिक मजबूत एवं व्यापक बनाया जाए।

पूरे आयोजन में देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंज उठा। तिरंगा यात्रा के माध्यम से सहकारिता विभाग ने राष्ट्रप्रेम, एकता, भाईचारे और सामूहिक विकास का संदेश देते हुए यह संकल्प दोहराया कि सहकारिता के माध्यम से हरियाणा को आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनाने तथा विकसित भारत के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करता रहेगा।

पलवल में जिला स्तरीय सहकारी जागरूकता सेमिनार का हुआ आयोजन, 'सहकार से समृद्धि-समृद्धि से आत्मनिर्भरता' का दिया संदेश

– 'सहकारिता से समृद्धि, विकसित और आत्मनिर्भर बनेगा भारत
– 'साथ मिलकर आगे बढ़ना' ही सहकारिता की मूल भावना

– श्री गौरव गौतम
राज्य मंत्री हरियाणा सरकार

दिनांक 2 अगस्त 2026 को हरकोफैड द्वारा सहकारिता जगरूकता अभियान के अंतर्गत पलवल के नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार में खेल एवं युवा मामले तथा कानून राज्य मंत्री गौरव गौतम जी मुख्य अतिथि एवं उपायुक्त पलवल डॉ. जयेन्द्र सिंह छिल्लर, पलवल सहकारी चीनी मिल की प्रबंध निदेशक श्रीमती द्विजा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने विभिन्न सहकारी योजनाओं, किसान हितैषी कार्यक्रमों तथा सहकारी समितियों की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। उपस्थित किसानों और नागरिकों ने भी योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की और सहकारिता से जुड़ने में रुचि दिखाई।

हैफेड पलवल, वीटा पलवल समेत स्वयं सहायता समूह की प्रदर्शनियां कार्यक्रम में लगाई गई। कार्यक्रम में हरकोफैड के अधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथि का पगड़ी शॉल व स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया और उनका आभार व्यक्त किया। इस आयोजन में जिला पलवल स्तर के सहकारिता विभाग व सभी सहकारी संस्थाओं के अधिकारी कर्मचारियों समेत 500 सहकार बंधुओं ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि द्वारा जिला पलवल में रजिस्ट्र्ड हुई 40 सी.एम. पैक्स को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए तथा जिला पलवल की मुख्य स्वयं सहायता समूहों को भी बेहतर प्रर्दशनियों के लिए सम्मानित किया गया।

(हरकोफैड)
हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि., पंचकूला
सहकारिता जागरूकता अभियान
के अन्तर्गत
जिला स्तरीय
विशिष्ट अतिथि
श्री हरेन्द्र सिंह
श्री जयेन्द्र सिंह छिल्लर, भा.प्र.से
श्री विपिन बैंराला
श्रीमती द्विजा, एच.सी.एस

जागरूकता अभियान
GUEST OF HONOUR

इस अवसर पर मुख्य अतिथि गौरव गौतम ने अपने संबोधन में कहा कि सहकारिता केवल एक विभाग नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था का मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि 'साथ मिलकर आगे बढ़ना' ही सहकारिता की मूल भावना है और जब समाज एकजुट होकर कार्य करता है तो विकास की गति कई गुना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि भारत सहकारिता से समृद्ध, विकसित और आत्मनिर्भर बनेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा और नई ऊर्जा मिली है। अलग सहकारिता मंत्रालय का गठन, डिजिटल व्यवस्था को बढ़ावा तथा किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए लिए गए अनेक निर्णय इस बात का प्रमाण हैं कि केंद्र सरकार सहकारिता को विकास का प्रमुख माध्यम मानती है। उन्होंने सेमिनार में लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

गौरव गौतम ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार भी सहकारी संस्थाओं को मजबूत बनाने, किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य है कि सहकारी समितियां किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बनें। उन्होंने कहा कि भारत देश का किसान जितना मजबूत होगा, हमारा प्रदेश और देश उतना ही मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि सरकार सहकारी समितियां किसानों को खाद, बीज, ऋण, भंडारण और विपणन जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने युवाओं और महिलाओं से भी अधिक से अधिक संख्या में सहकारिता आंदोलन से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में उनकी भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

उन्होने यह भी कहा कि यह जागरूकता अभियान केवल जानकारी देने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, विश्वास बढ़ाने और विकास की नई

संभावनाओं के द्वार खोलने का अभियान है। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से अपने गांव, क्षेत्र और जिले में सहकारिता की भावना को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सहकारिता भारतीय संस्कृति की मूल भावना है, जो आपसी विश्वास, सहयोग और सामूहिक विकास पर आधारित है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा मिली है और हरियाणा सरकार भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में इस क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाएं किसानों, महिलाओं, युवाओं और छोटे उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है और भारत तीव्र गति से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है।

उपायुक्त डॉ. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने कहा कि जिले में सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने के लिए जिला प्रशासन हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में सहकारी संस्थाओं से जुड़ने और योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह अभियान केंद्र और प्रदेश सरकार की

सहकारिता विभाग, हरियाणा

सहकारिता विभाग, हरियाणा
(हरकोफेड)
द्वारा आयोजित

जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि सब मिलकर ऐसे हरियाणा और भारत के निर्माण का संकल्प लें, जहां हर किसान समृद्ध, हर युवा आत्मनिर्भर और सहकारिता की भावना से समाज निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो।

हरकोफैड सहकारिता विभाग हरियाणा के प्रचार अधिकारी सौरव अत्री ने कहा कि सहकारिता आर्थिक विकास के साथ–साथ सामाजिक सहभागिता और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को सहकारी संस्थाओं की योजनाओं, उनके लाभ तथा समाज और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि हरकोफैड प्रत्येक जिला में माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी एवं सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा जी के निर्देशानुसार एवं सहकारिता प्रधान सचिव पंकज यादव, सहकारी समितियां रजिस्ट्रार सुभिता ढाका व हरकोफैड प्रबंध निदेशक नरेश गोयल के मार्गदर्शन में सहकारिता जागरूकता अभियान चला रहा है, जिसमें नारनौल में पहला कार्यक्रम और कुरुक्षेत्र में दूसरा कार्यक्रम और पलवल में तीसरा कार्यक्रम आयोजित हो चुका है। इस अभियान के अंतर्गत हरकोफैड का लक्ष्य है कि सहकारिता विभाग की सभी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाकर सहकार से समृद्धि का स्वपन साकार करना है तथा महिलाओं और युवाओं को सहकारिता से जोड़ना है।

सेमिनार में भाजपा जिला अध्यक्ष विपिन बैंसला, सहकारी चीनी मिल पलवल की प्रबंध निदेशक द्विजा सहित किसान, सहकारी समितियों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और कर्मचारी तथा किसान उपस्थित रहे।

हरियाली तीज : नारी शक्ति, संस्कृति और सहकारिता का सुंदर संगम

''जहाँ संस्कृति जीवंत होती है, वहाँ परंपराएँ नई पीढ़ी को संस्कार देती हैं और जहाँ सहकारिता की भावना होती है, वहाँ नारी शक्ति विकास की नई दिशा तय करती है।''

दिनांक 14.08.2026 को हरकोफैड द्वारा सहकारिता मुख्यालय पंचकुला के प्रांगण में हरियाली तीज उत्सव का भव्य एवं उल्लासपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा डॉ. सुभिता ढाका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं ओर सहकारिता से जुड़ी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा, सांस्कृतिक विरासत और नारी शक्ति का प्रभावशाली परिचय दिया।

हरियाली तीज भारतीय संस्कृति में प्रेम, सौहार्द, उल्लास और प्रकृति के प्रति आत्मीय जुड़ाव का प्रतीक है। कार्यक्रम ने इस पारंपरिक पर्व को नारी सशक्तिकरण और सहकारिता की भावना के साथ जोड़ते हुए एक नई सार्थकता प्रदान की।

इस अवसर पर डॉ. सुभिता ढाका ने सभी को हरियाली तीज की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि

तीज जैसे पर्व हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखने के साथ–साथ समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे को मजबूत करते हैं। उन्होंने महिलाओं का आह्वान किया कि वे अपनी प्रतिभा, क्षमता और आत्मविश्वास को पहचानें तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़कर अपनी सशक्त भूमिका सुनिश्चित करें।

कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती कविता धनखड़, अतिरिक्त रजिस्ट्रार द्वारा अत्यंत प्रभावशाली एवं आकर्षक ढंग से किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला में श्रीमती रेनू शर्मा की एकल प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्रीमती अनुराधा ने मनमोहक एकल नृत्य प्रस्तुत कर खूब तालियाँ बटोरीं। वहीं श्रीमती अनीता ने सावन की भावनाओं से ओत–प्रोत कविता प्रस्तुत कर वातावरण में हरियाली, उमंग और उल्लास का रंग भर दिया। श्रीमती सुमन एवं श्रीमती कविता की मनमोहक नृत्य प्रस्तुति भी कार्यक्रम का आकर्षण रही।

श्रीमती अलका शर्मा, संयुक्त संपादक द्वारा प्रस्तुत नारी शक्ति पर आधारित प्रेरणादायक कविता ने उपस्थित महिलाओं में आत्मविश्वास, ऊर्जा और नई उमंग का संचार किया तथा नारी की सामर्थ्य और स्वाभिमान का सशक्त संदेश दिया।

''नारी केवल परिवार की शक्ति नहीं, बल्कि समाज के परिवर्तन और राष्ट्र के विकास की निर्णायक शक्ति है।''

कविता, नृत्य, संगीत और विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजे इस आयोजन ने भारतीय परंपरा की सुंदरता को नारी प्रतिभा और सहकारिता की सामूहिक भावना से जोड़ा। कार्यक्रम में महिलाओं की सक्रिय सहभागिता ने यह संदेश दिया कि जब प्रतिभा को अवसर, प्रयास को सहयोग और नेतृत्व को विश्वास मिलता है, तब परिवर्तन की नई राहें खुलती हैं।

हरियाली तीज का यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक उत्सव न रहकर नारी सम्मान, आत्मविश्वास, रचनात्मकता, सांस्कृतिक संरक्षण और सहकारिता की भावना का प्रेरक मंच बन गया। इस अवसर ने यह भी सिद्ध किया कि सहकारिता केवल आर्थिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ करने की प्रभावी शक्ति भी है।

''हरियाली तीज की हरियाली प्रकृति में ही नहीं, नारी के सपनों, उसकी प्रतिभा और उसके आत्मविश्वास में भी दिखाई दे यही इस उत्सव की वास्तविक सार्थकता है।''

समग्र रूप से हरियाली तीज उत्सव ने परंपरा में आधुनिक चेतना, संस्कृति में रचनात्मकता और सहकारिता में महिला सशक्तिकरण का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया। उल्लास, आत्मीयता और सामूहिक सहभागिता से परिपूर्ण यह आयोजन सभी के लिए प्रेरणादायी एवं अविस्मरणीय बन गया।

दी किसान भारती सहकारी बहुउद्देशीय समिति लि०, लाडवी

वार्षिक आम सभा बैठक संपन्न

दिनांक : 14 अगस्त 2026

समिति की आम सभा की बैठक श्री राम कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई।
समिति के सहायक प्रबंधक द्वारा परतुत किया गया वर्व 2024-25 का सेठन्न-जोखा।
बैठक में मौगूद प्रबंध मिदेशक अीनती मंजु, प्रबंभक श्री शुभाष चंद जी हेफेड,
श्री प्रभु राम इब्बोराण निरीषक सहकारी समितियां,
Shri Shiv Kumar व Shri Pardeep Kumar, SICS रहे उपस्थित।

वर्ष 2024-25 की उपलब्धियाँ

शुद्ध लाभ
₹7.56 लाख
31 मार्च 2025 दक कुल लाम ₹48.28 लाख

कुल ब्रिक्री एवं आय
₹202.33 लाख
(वर्ष 2024-24 में ₹171.55 लाख)

वर्ष 2024-25 में व्यवसाय
₹136.63 लाख

सदस्य शेयर शशि
₹2,32,000

ब्रिक्री एवं आय का विवरण

• खाद की ब्रिक्री	₹100.44 लाख	→	₹126.03 लाख
• उपभोक्ता बस्तुओं की ब्रिक्री	₹2.71 लाख	→	₹4.62 लाख
• कृषि बंत्रों की विक्री	₹0.45 लाख	→	₹2.15 लाख
• सेवाओं से आय आय	₹2.31 लाख	→	₹1.22 लाख
• समिति का कमीशन	₹65.64 लाख	→	₹68.31 लाख
कुल ब्रिक्री एवं आय	₹171.55 लाख	→	₹202.33 लाख

समिति की वित्तीय स्थिति (31 मार्च 2025 दक)

• सदस्यों की वातिक्गन शेयर पूंजी	₹ 2.32 लाख
• वर्तमान परिसंपत्तियॉं	₹18.03 लाख
• स्थायी परिसंपत्तिनों	₹ 8.48 लाख
• निवेश	₹ 2.19 लाख
कुल वित्तीय स्थिति	₹31.01 लाख

नई उपलब्धि

PM Surya Char: Muft Bijii Yojana

DHBVN से Vendorship प्रापा

समिति के लिए एक नई एवं महत्वपूर्ण उपलब्धि।
इससे समिति को अपने व्यवसाम का विस्तार करने तथा
किसानों एवं आम जनता को सोर उर्न्जा से
संसतित सेपायं उपलब्ध करवाने का अवसर मिलेगा।

भविष्य की योजनाएँ

- ✓ World's Largest Grain Storage Plan के अगर्गत कार्य
- ✓ किसानों के लिए भद्रावग की बेहतर सुविधाएँ
- ✓ कृषि सेवाओं का विस्तार
- ✓ डाड, बीज, कृषि यंत्र एवं अनर आयश्मक सेवाओं का विस्तार
- ✓ सोर उर्न्जा से अबंसित सवसरम की बढ़ाया देवा
- ✓ किसानों के व्वसाण एवं समिति की आय में बृद्धि करना

यस्ता एवं गुणवामपूर्ण कृषि इगपुट

भंदरागा एवं विपणन की मुविधा

कृषि संत्रों एवं सेवाओं की उपलकतत

सौर ऊर्जा से सराकन एवं सतत दिकास

सभी सम्मानित सदस्तों, अतिथियों एवं अधिकारियों का हार्दिक धन्यवाद।
आप सभी का सहयोग एवं मार्गदर्शन समिति को निरंसर प्रगति के पथ पर आगी बढ़ाने में प्रेरण देता रहेगा।

सहकार से समृद्धि • किसानों की सेवा, हमारा संकल्प

प्रैस कतरनें

शुगर मिलों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और किसानों की सुविधाएं बढ़ाने पर सरकार का फोकस : नायब सैनी

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

चंडीगढ़, 8 अगस्त। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश की सहकारी शुगर मिलों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए उत्पादन लागत कम करने, चीनी की रिकवरी बढ़ाने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मिलों की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को हरियाणा निवास पर हरियाणा स्टेट फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर मिल्स की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि मिलों के संचालन में अनावश्यक स्टाफ को न्यूनतम रखा जाए और मशीनरी की समय पर मेंटेनेंस तथा जरूरी स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता पहले से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मिलों के प्रबंध निदेशकों से सीजन के दौरान हुई स्टॉपेज के घंटों की भी जानकारी ली।

गन्ना तुलाई केंद्रों पर किसानों के सुझाव हेतु लगाई जाएंगी सुझाव पेटियां

मुख्यमंत्री ने किसानों से सीधा संवाद बढ़ाने पर जोर देते हुए निर्देश दिए कि शुगर मिलों के गन्ना तुलाई केंद्रों पर सुझाव पेटियां लगाई जाएं, जिनमें किसान अपनी समस्याएं और सुझाव दे सकें। संबंधित अधिकारी इन्हें नियमित रूप से चेक करें और प्राप्त सुझावों एवं शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी सहकारी शुगर मिलों के प्रबंध निदेशकों को प्रत्येक चार महीने में किसानों के साथ बैठक आयोजित करने के भी निर्देश दिए, ताकि किसानों की समस्याओं और सुझावों पर सीधे चर्चा हो तथा उपयोगी सुझावों को मिलों की कार्यप्रणाली में शामिल किया जा सके। मुख्यमंत्री ने विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि किसानों द्वारा दिये गये वाजिब सुझावों पर त्वरित कार्यवाही की जाये।

4 फीट की दूरी पर गन्ना बिजाई को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ना प्रौद्योगिकी मिशन के तहत बजट घोषणा के अनुरूप 4 फीट की दूरी पर चौड़ी कतारों में गन्ना रोपण करने वाले किसानों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि 3 हजार रुपये प्रति एकड़ से बढ़ाकर 5 हजार रुपये प्रति एकड़ की गई है। उन्होंने अधिकारियों को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक किसान इसका लाभ उठा सकें।

नई और अधिक उत्पादन देने वाली गन्ना किस्में किसानों तक पहुंचे, चार नई टिशू कल्चर लैब होंगी स्थापित

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि भारत सरकार द्वारा स्वीकृत गन्ने की नई और अधिक उत्पादन देने वाली किस्मों को हरियाणा में अपनाने में अनावश्यक देरी न की जाए। प्रदेश में किसी अच्छी वैरायटी के बीज की उपलब्धता कम होने पर दूसरे राज्यों से भी इसकी व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि गन्ने की गुणवत्ता में सुधार से किसानों की उत्पादकता बढ़ने के साथ शुगर मिलों की रिकवरी में भी सुधार होगा।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार के बीज पोर्टल पर नई एवं उन्नत किस्मों के बीज का इंडेंट समय पर भेजना सुनिश्चित किया जाए, ताकि अच्छी किस्मों के बीज की अधिक से अधिक उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। प्रदेश में किसी अच्छी किस्म के बीज की उपलब्धता कम होने पर दूसरे राज्यों से भी इसकी व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को गन्ने की उन्नत एवं गुणवत्तापूर्ण किस्मों का बीज उपलब्ध करवाने के लिए रोहतक, महम, पानीपत और पलवल करनाल शुगर मिलों में चार टिशू कल्चर लैब स्थापित की जाएंगी। इससे किसानों को बेहतर गुणवत्ता का बीज उपलब्ध होगा तथा गन्ने की उत्पादकता के साथ-साथ शुगर मिलों की रिकवरी में भी सुधार होगा।

तकनीकी स्टाफ की कमी दूर करने के लिए पॉलिटेक्निक और आईटीआई से होगा समन्वय

शुगर मिलों में तकनीकी स्टाफ की कमी को देखते हुए मुख्यमंत्री ने पॉलिटेक्निक कॉलेजों और आईटीआई के माध्यम से आवश्यक तकनीकी स्टाफ उपलब्ध करवाने की दिशा में काम करने के निर्देश दिए। युवाओं को शुगर मिलों की मशीनरी और तकनीकी जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण देने पर भी जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने मिल परिसरों को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखने तथा आवश्यकता के अनुसार उनके सौंदर्यीकरण और बेहतर रखरखाव के भी निर्देश दिए।

सोनीपत की पुरानी शुगर मिल को शिफ्ट करने पर होगा काम

मुख्यमंत्री ने सोनीपत की पुरानी शुगर मिल को वर्तमान स्थान से बाहर उपयुक्त स्थान पर शिफ्ट करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नई मिल स्थापित होने तक मौजूदा मिल की मशीनरी और अन्य व्यवस्थाओं का उचित रखरखाव करते हुए उसका संचालन सुचारू रखा जाए।

कैथल में गन्ना हार्वेस्टिंग मशीनों का पायलट प्रोजेक्ट

गन्ने की कटाई के लिए श्रमिकों की कमी की समस्या को देखते हुए मुख्यमंत्री ने पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर कैथल शुगर मिल को हार्वेस्टिंग मशीनें उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। इन मशीनों के माध्यम से किसानों के खेतों में गन्ने की कटाई कर उसे सीधे शुगर मिल तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी। इससे किसानों को श्रमिकों की कमी की समस्या से राहत मिलेगी। पायलट प्रोजेक्ट के परिणामों के आधार पर इस व्यवस्था को अन्य शुगर मिल क्षेत्रों में भी बढ़ाने पर विचार किया जाएगा।

ऑफ सीजन में भी बिजली उत्पादन की संभावनाएं तलाशी जाएंगी

मुख्यमंत्री ने ऑफ सीजन में भी शुगर मिलों से बिजली उत्पादन जारी रखने की संभावनाओं पर काम करने के निर्देश दिए। आवश्यकता के अनुसार मिलों की क्षमता बढ़ाने और आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित करने पर भी जोर दिया गया। मिलों में तैयार गुड़ को हरित एवं वीटा स्टोर के माध्यम से उपभोक्ताओं तक पहुंचाने पर भी चर्चा हुई। वहीं, करनाल और रोहतक शुगर मिलों द्वारा एक किलोग्राम की पैकिंग में रिफाइंड चीनी उपलब्ध करवाने की जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य सहकारी शुगर मिलों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ गन्ना किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। इसके लिए मिलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रबंधन और किसानों के साथ निरंतर संवाद के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा।

समीक्षा बैठक के दौरान सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा के अलावा मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजेन्द्र कुमार, हरियाणा सहकारिता विभाग के प्रधान सचिव श्री पंकज यादव, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव-श्री अजय कुमार, हरियाणा सहकारी समितियों की रजिस्ट्रार डॉ. शुभिता ढाका सहित अन्य अधिकारीगण के साथ-साथ चीनी मिलों के निर्वाचित निदेशकगण व विभिन्न मिलों के गन्ना उत्पादक भी मौजूद थे।

करोड़ों भारतीयों के स्वाभिमान का प्रतीक है तिरंगा : अरविंद शर्मा

गोहाना में निकाली तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के नारों से गूंजा शहर

गोहाना (सोनीपत), 12 अगस्त (हप्र)

शहीदों के बलिदान को नमन करने और तिरंगे की आन-बान-शान के सम्मान में बुधवार को गोहाना शहर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, उनकी पत्नी डॉ. रीटा शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, युवाओं और क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के दौरान शहर देशभक्ति के नारों से गूंज उठा।

डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि देश की आजादी असंख्य वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, तपस्या और बलिदान का परिणाम है। तिरंगा उन सभी महान सपूतों के संघर्ष और बलिदान की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि शहीदों को याद करना और उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। तिरंगा देश की आन, बान, शान और करोड़ों भारतीयों के स्वाभिमान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर तिरंगा अभियान ने देशवासियों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और शहीदों के बलिदान से जोड़ने का महत्वपूर्ण संदेश दिया है।

तिरंगा यात्रा में बाल भारती विद्यापीठ, जैन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जेएलएन सीनियर सेकेंडरी स्कूल गोहाना तथा सरस्वती विद्या स्कूल कटवाल ने विशेष सहयोग किया। विद्यालयों की सहभागिता से विद्यार्थियों में देशभक्ति और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना मजबूत हुई।

यात्रा में प्रभारी सत्यप्रकाश जरावता, जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक, किरण कलकल, कुलदीप कौशिक, जस्सी खुराना, भूपेंद्र मुदगिल, कृष्ण सैनी, सुमित कक्कड़, रमेश कश्यप, भीम गोयल और संजय मेहंदीदत्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गोहाना में आयोजित तिरंगा यात्रा की अगुवाई करते सहकारिता मंत्री अरविंद शर्मा। साथ हैं उनकी पत्नी डॉ. रीटा शर्मा। -हप्र

शहीदों के बलिदान को याद रखना हर नागरिक का दायित्व : डॉ. अरविंद शर्मा

गोहाना व बरोदा हलके में तिरंगा यात्राएं निकाल राष्ट्रीय एकता का दिया संदेश

गोहाना। शहीदों के बलिदान को नमन करने और तिरंगे के सम्मान में बुधवार को शहर के साथ बरोदा हलके के कथूरा गांव में तिरंगा यात्रा निकाली गई। शहर में राजकीय महिला कॉलेज से शुरू हुई यात्रा डॉ. भीमराव आंबेडकर चौक में संपन्न हुई। इस यात्रा में शामिल कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा और उनकी पत्नी डॉ. रीटा शर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों ने देशभक्ति का संदेश दिया।

डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि शहीदों को याद करना और उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। इस मौके पर सत्यप्रकाश जरावता, बिजेंद्र मलिक, किरण कलकल, कुलदीप कौशिक, भूपेंद्र मुदगिल, कृष्ण सैनी, सुमित कक्कड़, भीम गोयल, संजय मेहंदीदत्ता, दहिया, विनोद जुआ, आजाद मलिक, सरोज मलिक आदि मौजूद रहे। वहीं कथूरा में आयोजित तिरंगा यात्रा में भाजपा के प्रदेश महामंत्री सत्यप्रकाश जरावता ने कहा कि हमारे अमर शहीद राष्ट्र के गौरव हैं इनकी कुर्बानी के कारण ही हमें आजादी मिली। हमें शहीदों के बताए रास्ते पर चलना चाहिए। इस मौके पर प्रदीप सांगवान, भलेराम नरवाल डॉ.ओमप्रकाश शर्मा, अशोक सैन डॉ.राममेहर राठी आदि मौजूद रहे।

शहर में निकाली गई तिरंगा यात्रा में शामिल डॉ. अरविंद शर्मा।

सहकारिता विभाग की भव्य तिरंगा यात्रा में गूंजा राष्ट्रभक्ति का संदेश

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने तिरंगा यात्रा को दिखाई हरी झंडी

सिटी दर्पण संवाददाता

पंचकूला

हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत सहकारिता विभाग, हरियाणा द्वारा सैक्टर-2 पंचकूला स्थित सहकारिता मुख्यालय से भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। प्रातः 11:00 बजे आयोजित इस राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम में हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तिरंगा यात्रा में सहकारिता विभाग एवं प्रदेश की विभिन्न सहकारी संस्थाओं के 500 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हाथों में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। भारत माता के जयघोष और देशभक्ति की भावना से सराबोर इस यात्रा ने सहकारिता परिवार की राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में प्रदेश की प्रमुख सहकारी संस्थाओं के चेयरमैन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इनमें हरको बैंक चेयरमैन श्री भारत भूषण जुयाल, एच.एस.सी.ए.आर.डी.बी चेयरमैन श्री सुभाष कलसाना, लेबरफैड चेयरमैन श्री देवेंद्र पंचाल तथा हाउसफैड चेयरमैन श्री सुभाष बंसल शामिल रहे। इस अवसर पर रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा डॉ. शुभिता ढाका, शुगरफैड के प्रबंध निदेशक कैप्टन शक्ति सिंह, हैफेड के सचिव श्री प्रदीप अहलावत, सहित प्रदेश की विभिन्न सहकारी संस्थाओं के प्रबंध निदेशक, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि तिरंगा भारत की आन, बान और शान का प्रतीक है। इसमें देश की एकता, अखंडता, त्याग, वीरता और करोड़ों देशवासियों की भावनाएं समाहित हैं। हर घर तिरंगा अभियान प्रत्येक भारतीय को राष्ट्र के प्रति अपने गौरव और जिम्मेदारी को व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सहकारिता और राष्ट्रनिर्माण की भावना एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। जिस प्रकार तिरंगा देश की एकता का प्रतीक है, उसी प्रकार सहकारिता भी एकता में शक्ति के सिद्धांत पर आधारित है। जब किसान, श्रमिक, महिलाएं और समाज के विभिन्न वर्ग एकजुट होकर सामूहिक रूप से आगे बढ़ते हैं, तो आर्थिक एवं सामाजिक विकास की गति कई गुना बढ़ जाती है। आज निकाली गई तिरंगा यात्रा केवल राष्ट्रभक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि सहकारिता के माध्यम से एकजुट होकर प्रदेश और देश के विकास में योगदान देने का संकल्प है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आह्वान किया कि वे सहकारिता की योजनाओं और सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करें।

महिला कर्मचारियों को तीज एवं रक्षाबंधन की दी शुभकामनाएं

सहकारिता मंत्री ने तिरंगा यात्रा में उत्साहपूर्वक भाग लेने वाली सभी महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तीज तथा रक्षाबंधन के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि तीज और रक्षाबंधन जैसे पर्व हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों, भाई-बहन के स्नेह तथा सामाजिक सौहार्द की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा डॉ. शुभिता ढाका, ने सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा का तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने तथा यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग द्वारा प्रदेशभर में सहकारिता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य सहकारिता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाना तथा आम लोगों को सहकारी संस्थाओं के माध्यम से संचालित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी उपलब्ध करवाना है।

कॉलेज से अंबेडकर चौक तक तिरंगे के सम्मान में उमड़ा जनसैलाब

बलिदान का परिणाम है। तिरंगा उन सभी महान सपूतों के संघर्ष और बलिदान की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि शहीदों को याद करना और उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान, शान और करोड़ों भारतीयों के स्वाभिमान का प्रतीक है।

डॉ. अरविंद शर्मा की पत्नी डॉ. रीटा शर्मा ने तिरंगा हाथ में लेकर पूरी यात्रा में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि तिरंगा हर भारतीय की भावनाओं से जुड़ा है। इसके

सहकारिता विभाग की तिरंगा यात्रा में दिखा राष्ट्रभक्ति का जोश, 500 से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों ने लिया हिस्सा

मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा—सहकारिता सामूहिक शक्ति और आर्थिक सशक्तीकरण का मजबूत माध्यम

खबरी प्रशाद, पंचकूला

हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत हरियाणा के सहकारिता विभाग की ओर से सोमवार को सेक्टर-2 स्थित सहकारिता मुख्यालय से तिरंगा यात्रा निकाली गई। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में विभाग और विभिन्न सहकारी संस्थाओं से जुड़े 500 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तिरंगा हाथों में लेकर भागीदारी की।

यात्रा के दौरान भारत माता के जयघोष और देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंजता रहा। कार्यक्रम में हरको बैंक के चेयरमैन भारत भूषण जूयाल, एचएससीएआरडीबी के चेयरमैन सुभाष कलसाना, लेबरफैड चेयरमैन देवेंद्र पंचाल और हाउसफैड चेयरमैन सुभाष बंसल सहित सहकारी संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

'सहकारिता और राष्ट्रनिर्माण की भावना एक-दूसरे से जुड़ी'

मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सहकारिता भी सामूहिक भागीदारी और एकजुटता के सिद्धांत पर आधारित है। किसान, श्रमिक, महिलाएं और समाज के विभिन्न वर्ग जब मिलकर आगे बढ़ते हैं तो आर्थिक एवं सामाजिक विकास को मजबूती मिलती है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक और जन-केंद्रित बनाने पर जोर दिया जा रहा है। हरियाणा में सहकारी संस्थाओं के माध्यम से किसानों, ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

डॉ. शर्मा ने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की कि सरकारी योजनाओं और सहकारी सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ काम करें। उन्होंने तिरंगा यात्रा को केवल राष्ट्रभक्ति का कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामूहिक विकास के संकल्प का प्रतीक बताया।

महिला कर्मचारियों को तीज और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं

सहकारिता मंत्री ने यात्रा में शामिल महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तीज और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ये पर्व भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने का संदेश देते हैं।

सहकारी समितियों की रजिस्ट्रार डॉ. शुभिता ढाका ने कहा कि विभाग प्रदेशभर में सहकारिता जागरूकता अभियान चला रहा है। इसका उद्देश्य गांव-गांव तक सहकारिता की योजनाओं और सेवाओं की जानकारी पहुंचाकर अधिक लोगों को सहकारी आंदोलन से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य सहकारिता के लाभ को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

पौधा लगाना ही नहीं, पेड़ बनने तक देखभाल भी जरूरी : अरविंद शर्मा

वन महोत्सव में हरियाली का संकल्प, 70 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य

रोहतक, 7 अगस्त (निस)

वन महोत्सव के अवसर पर जलेबी चौक में आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अर्चना गुप्ता और पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने पौधरोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोगों से पर्यावरण संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। वन महोत्सव के तहत 70 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। जलेबी चौक पर प्रशासन और एनएचएआई के सहयोग से 14 हजार पौधे मियावा की मॉडल के तहत लगाए गए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम के मानेसर में आयोजित वन महोत्सव के कार्यक्रम से सीधे जुड़कर उपस्थितगण को पौधारोपण तथा इनकी देखरेख करने की शपथ दिलवाई।

डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि वन महोत्सव केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य का संकल्प है। उन्होंने कहा कि पौधा लगाना शुरुआत है, असली जिम्मेदारी उसकी देखभाल करना है। प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसे पेड़ बनने तक संरक्षित करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने मियावाकी मॉडल के तहत पौधरोपण की पहल के लिए प्रशासन और एनएचएआई को बधाई दी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अर्चना गुप्ता ने कहा कि पेड़-पौधे केवल हरियाली का माध्यम नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन और प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखने का आधार हैं। आज बढ़ता तापमान और बदलता पर्यावरण हम सभी के लिए चिंता का विषय है। ऐसे में अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना समय की जरूरत है।

रोहतक में शुक्रवार को वन महोत्सव के दौरान पौधा लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत करते कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष अर्चना गुप्ता व अन्य भाजपा पदाधिकारी। -निस

हर व्यक्ति एक पौधे की जिम्मेदारी ले : मनीष ग्रोवर

पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण किसी एक विभाग या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधरोपण के साथ जल संरक्षण और प्लास्टिक के कम इस्तेमाल जैसे प्रयासों को भी दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना होगा। कार्यक्रम में रणबीर ढाका, प्रतिभा सुमन, कृष्णमूर्ति हुड्डा, संचित नांदल, उदय भान मलिक सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा प्रशासन और एनएचएआई के अधिकारी मौजूद रहे।

'सहकारिता से समृद्ध, विकसित और आत्मनिर्भर बनेगा भारत : गौरव गौतम

पलवल में जिला स्तरीय सहकारी जागरूकता सेमिनार का हुआ आयोजन

पलवल, बलराम टाल/ भगत सिंह (पंजाब केसरी): हरियाणा सरकार में खेल एवं युवा मामले तथा कानून राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि सहकारिता केवल एक विभाग नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था का मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि 'साथ मिलकर आगे बढ़ना' ही सहकारिता की मूल भावना है और जब समाज एकजुट होकर कार्य करता है तो विकास की गति कई गुना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि भारत सहकारिता से समृद्ध, विकसित और आत्मनिर्भर बनेगा। खेल एवं युवा मामले तथा कानून राज्य मंत्री गौरव गौतम रविवार को सहकारिता विभाग हरियाणा एवं हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड (हरकोफैड) पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में पलवल के नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय सहकारी जागरूकता सेमिनार को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा और नई ऊर्जा मिली है। अलग सहकारिता मंत्रालय का गठन, डिजिटल व्यवस्था को बढ़ावा तथा किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए लिए गए अनेक निर्णय इस बात का प्रमाण हैं कि केंद्र सरकार सहकारिता को विकास का प्रमुख माध्यम मानती है। उन्होंने सेमिनार में लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार भी सहकारी संस्थाओं को मजबूत बनाने, किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य है कि सहकारी समितियां किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बनें।

उन्होंने कहा कि भारत देश का किसान जितना मजबूत होगा, हमारा प्रदेश और देश उतना ही मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि सरकार सहकारी समितियां किसानों को खाद, बीज, ऋण, भंडारण और विपणन जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने युवाओं और महिलाओं से भी अधिक से अधिक संख्या में सहकारिता आंदोलन से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में उनकी भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। मुख्य अतिथि गौरव गौतम ने कहा कि आज का यह जागरूकता अभियान केवल जानकारी देने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, विश्वास बढ़ाने और विकास की नई संभावनाओं के द्वार खोलने का अभियान है। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से अपने गांव, क्षेत्र और जिले में सहकारिता की भावना को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सहकारिता भारतीय संस्कृति की मूल भावना है, जो आपसी विश्वास, सहयोग और सामूहिक विकास पर आधारित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा मिली है और हरियाणा सरकार भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में इस क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

77वें वन महोत्सव पर 14 हजार पौधे लगाए गए

रोहतक। जिला प्रशासन, वन विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के सहयोग से 77वां जिलास्तरीय वन महोत्सव आयोजित किया गया। जलेबी चौक पर 14 हजार पौधे लगाए गए। अब तक 50 हजार पौधे लगाए जा चुके हैं। जलेबी चौक पर 70 हजार पौधे लगा मीयावाकी वन विकसित करना ही लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम के मानेसर से वर्चुअल माध्यम से लोगों को पौधरोपण और उनकी देखरेख की शपथ दिलवाई। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता, मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर और भाजपा जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका ने पौधरोपण किया। समारोह में कृष्णमूर्ति हुड्डा, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, प्रदेश मंत्री प्रतिभा सुमन, अजय खुंडिया, विजयपाल, चेयरमैन उदयभान मलिक आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

जलेबी चौक पर पौधरोपण के बाद पानी देतीं डॉ. अर्चना गुप्ता, मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, भाजपा जिला अध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका व अन्य। संवाद

■ **कांग्रेस पर साधा निशाना, सरकार की उपलब्धियां गिनाईं : रोहतक।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता और मंत्री अरविंद शर्मा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस पूरे देश में जनाधार खो रही है। कहा कि बिहार और मध्य प्रदेश में हुए उपचुनाव में पार्टी हार के कारण पर मंथन कर रही है। कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों में प्रदेश के खिलाड़ियों ने सर्वाधिक पदक जीते हैं। हरियाणा सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए गांव-गांव मैदान और व्यायामशालाएं बना रही हैं। ब्यूरो

बहुउद्देशीय सरकारी समितियां के गठन स्कीमों से अवगत कराया

सहकारी संसथाओं ने महिलाओं को आत्म निर्भर बनाया : जगदीप

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 8 अगस्त। दी हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड द्वारा गांव मंगलौरा करनाल में सी एम पैक्स महिला बहुउद्देशीय सहकारी समितियां के पदाधिकारी व कर्मचारी हेतु विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। हरकोफैड श्री जगदीप सिंह सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी ने सभी आए हुए वक्तों का स्वागत किया वह सहकारिता के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। रणधीर सिंह निरीक्षक सहकारी समितियां करनाल ने सी एम पैक्स महिला बहुउद्देशीय सरकारी समितियां को बनाने के बारे में विस्तार पूर्वक स्कीमों से अवगत कराया। श्रीमती राजबाला मान ने निदेशक अतुल भारत नारी शक्ति बहुउद्देशीय सहकारी समिति लिमिटेड ने बताया कि 11 सदस्यों ने मिलकर समिति का गठन किया था और दूध का कार्य शुरू किया था समिति के सदस्यता 500 से ज्यादा हो चुकी है दूध के प्रोडक्ट बनाने के लिए एनडीआरआई करनाल का सहयोग रहा समिति के सदस्यों को ट्रेनिंग दी जिसे घी पनीर बटर लस्सी आइस क्रीम आदि का प्रशिक्षण दिया तथा समिति में उपरोक्त सभी प्रोडक्ट तैयार करना शुरू किया है तथा मार्केट में बेचना प्रारंभ किया है। डॉ सोनिया जी एनडीआरआई महिलाओं के स्वस्थ रहने की प्रक्रिया के बारे में बताया कि कैसे स्वस्थ रहना चाहिए शुद्ध खाने के बारे में चर्चा की। डॉ अश्वनी साइंटिस्ट ने जो दूध की प्रक्रिया होती है उसके बारे में विस्तृत जानकारी दी वह उसे हम कैसे अपने प्रोडक्ट को तैयार कर सकते है मशीनों के माध्यम से इस बारे में सभी महिलाओं को जागरूक किया। हर को फेड से श्री जगदीप सिंह जी ने कार्यक्रम के समापन के बाद सभी वक्ताओं व सदस्यों का धन्यवाद किया व इस कार्यक्रम में लगभग 150 सदस्यों ने भाग लिया।

कॉमनवैल्थ गेम्स में प्रदेश के बेटे-बेटियों ने बढ़ाया मान : डॉ. अरविंद शर्मा

गोहाना, 3 अगस्त (अरोड़ा): कॉमनवैल्थ गेम्स में हरियाणा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य सहित 11 पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने पदक विजेताओं, उनके प्रशिक्षकों और परिजनों को बधाई दी।

डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि 7 स्वर्ण पदकों समेत 11 पदक जीतना हरियाणा के लिए गर्व की बात है। खिलाड़ियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि हरियाणा की धरती पर प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर प्रदेश के खिलाड़ियों ने दुनिया के बड़े खेल मंच पर देश और हरियाणा का नाम रोशन किया है।

उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि में हरियाणा की बेटियों की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है। महिला खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से न केवल पदक जीते, बल्कि प्रदेश की बेटियों के सामने नई मिसाल कायम की है।

डॉ. शर्मा ने कहा कि पी.एम. नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है। खेलो इंडिया जैसी पहल और खिलाड़ियों को मिल रहे प्रोत्साहन से देश की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और प्रोत्साहन देने के लिए लगातार काम कर रही है।

हरकोफैड द्वारा अगस्त माह में किए गए कार्यक्रम

किसान प्रशिक्षण

कलायत, 18 अगस्त। हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड (हरकोफैड), पंचकूला द्वारा कलायत खंड के गांव वजीर नगर में किसान प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. जोगिंद्र सिंह ने की, जबकि आयोजन हरकोफैड के शिक्षा अनुदेशक श्री अशोक कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, सरकारी योजनाओं तथा सहकारिता के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करना रहा।

कृषि विभाग से मुख्य वक्ता ए.टी.एम. कलायत डॉ. रमेश समध्यान ने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जीवामृत, घनजीवामृत एवं दशपर्णी अर्क आदि तैयार करने की विधि की जानकारी देते हुए कहा कि किसानों को रासायनिक खेती से प्राकृतिक एवं पर्यावरण अनुकूल खेती की ओर कदम बढ़ाने चाहिए। इससे खेती की लागत कम करने के साथ मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए किसान आई.डी. के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

डॉ. राजेश मोर ने धान की सीधी बिजाई योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इस पद्धति को अपनाने वाले पात्र किसानों को सरकार द्वारा 4,500 रुपये प्रति एकड़ का प्रोत्साहन दिया जाता है। उन्होंने 'मेरा पानी–मेरी विरासत' योजना के तहत धान के स्थान पर मक्का, कपास एवं अन्य वैकल्पिक फसलों को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित किया तथा योजना के अंतर्गत मिलने वाली 8,000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि की जानकारी दी।

हरकोफैड के शिक्षा अनुदेशक श्री अशोक कुमार ने सहकारी संस्थाओं के पंजीकरण, प्रबंधन व्यवस्था एवं सहकारिता के त्रिस्तरीय ढांचे के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों से सहकारी संस्थाओं से अधिकाधिक जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि संगठित होकर सहकारिता के माध्यम से किसान सरकारी योजनाओं, संसाधनों एवं बाजार सुविधाओं का बेहतर लाभ उठा सकते हैं और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकते हैं।

प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर किसानों ने प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, सरकारी योजनाओं एवं सहकारिता से संबंधित विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों से संवाद किया तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। शिविर ने किसानों को "कम लागत, सुरक्षित खेती और बेहतर आय" की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

महिला सदस्य जागरूकता कार्यक्रम

पानीपत :— 3 अगस्त 2026। हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड (हरकोफैड), पानीपत द्वारा गांव भालसी, जिला पानीपत में महिला सदस्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को सहकारिता, स्वरोजगार, महिला सी.एम. पैक्स, स्वयं सहायता समूहों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ हरकोफैड पानीपत के शिक्षा अनुदेशक श्री प्रवेश कुमार ने किया। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को सहकारिता की अवधारणा, उद्देश्य एवं सहकारिता के सिद्धांतों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने हरकोफैड द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में बताते हुए कहा कि बेरोजगार सदस्य सहकारी समिति का गठन एवं पंजीकरण करवाकर सामूहिक रूप से स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सहकारी संस्थाओं को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहकारी संस्थाओं को प्राथमिकता देने की व्यवस्था है।

श्री प्रवेश कुमार ने महिला सी.एम. पैक्स के गठन एवं इसके लाभों पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास एवं स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से गांव–गांव सी.एम. पैक्स स्थापित किए जा रहे हैं। समिति का गठन निर्धारित सदस्यों के साथ किया जा सकता है तथा प्रत्येक सदस्य द्वारा निर्धारित रिफंडेबल अंशदान के माध्यम से समिति को मजबूत आधार प्रदान किया जाता है। उन्होंने महिलाओं को लघु उद्योग, सामूहिक व्यवसाय एवं अन्य स्वरोजगार गतिविधियां अपनाकर आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की अतिथि वक्ता श्रीमती ज्योति कश्यप, ग्राम संगठन ने महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा एवं वित्तीय सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना की पात्रता एवं लाभों के बारे में बताया। साथ ही स्वयं सहायता समूह (SHG) एवं संयुक्त देयता समूह (JLG) के गठन, समूह के माध्यम से ऋण प्राप्त करने तथा सामूहिक रूप से रोजगार स्थापित करने की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। श्रीमती ज्योति कश्यप ने कहा कि महिलाएं संगठित होकर छोटे–छोटे व्यवसाय शुरू कर अपने परिवार की आय बढ़ाने के साथ–साथ अन्य महिलाओं के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा कर सकती हैं। उन्होंने हरकोफैड द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित किए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम महिलाओं को अपने अधिकारों, योजनाओं और रोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने महिलाओं को हर संभव सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि "आप आगे बढ़िए, हम आपके साथ हैं।"

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने सहकारी समितियों, सी.एम. पैक्स, स्वयं सहायता समूहों, ऋण सुविधाओं तथा स्वरोजगार से संबंधित विषयों पर जानकारी प्राप्त की और विभिन्न योजनाओं में भागीदारी के प्रति उत्साह व्यक्त किया।

कार्यक्रम का मुख्य संदेश रहा कि सहकारिता के माध्यम से संगठन, संगठन के माध्यम से स्वरोजगार और स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा सकता है। ग्रामीण महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से सहकारी आंदोलन को और अधिक मजबूत करते हुए गांवों में आर्थिक एवं सामाजिक विकास की नई संभावनाएं सृजित की जा सकती हैं।

विद्यार्थी चेतना कार्यक्रम

सहकारिता से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

दिनांक 06 अगस्त 2026 को हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड (हरकोफैड), रोहतक द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गांव भाली आनंदपुर, जिला रोहतक में विद्यार्थी चेतना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 60 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सहकारिता की भावना, सामूहिक प्रयास, आत्मनिर्भरता, उद्यमिता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को सहकारिता की परिभाषा, उद्देश्य एवं सिद्धांतों के बारे में सरल एवं रोचक ढंग से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि सहकारिता केवल आर्थिक गतिविधि का माध्यम नहीं है, बल्कि यह लोगों को एकजुट होकर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने, संसाधनों का बेहतर उपयोग करने तथा सामूहिक विकास का अवसर प्रदान करने वाली व्यवस्था है।

विद्यार्थियों को सहकारिता के इतिहास से अवगत कराते हुए रॉबर्ट ओवेन के योगदान के बारे में बताया गया। वर्ष 1844 में 28 जुलाहों द्वारा मिलकर सहकारी समिति का गठन किए जाने के उदाहरण के माध्यम से विद्यार्थियों को समझाया गया कि छोटे–छोटे प्रयास जब संगठन और सहयोग की भावना के साथ किए जाते हैं, तो वे बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को यह भी समझाया गया कि वर्तमान समय में केवल नौकरी प्राप्त करना ही सफलता का एकमात्र रास्ता नहीं है। विद्यार्थी अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुसार स्वरोजगार एवं लघु उद्यम की दिशा में भी आगे बढ़ सकते हैं। सहकारी समिति का गठन कर अनेक व्यक्ति मिलकर व्यवसाय शुरू कर सकते हैं और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। विद्यार्थियों को भविष्य में रोजगार प्राप्त करने के साथ–साथ रोजगार सृजित करने वाला बनने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यार्थियों को कम उम्र से ही कौशल विकास एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। उन्हें समझाया गया कि शिक्षा के साथ–साथ किसी उपयोगी कौशल का प्रशिक्षण भविष्य में आत्मनिर्भर बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बच्चों को मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और निरंतर सीखने की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को सहकारी

संस्थाओं का शैक्षणिक भ्रमण करवाने के महत्व की जानकारी भी दी गई। ऐसे भ्रमणों के माध्यम से विद्यार्थियों को सहकारी बैंक, शुगर मिल, वीटा प्लांट तथा अन्य सहकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने का अवसर प्राप्त होता है। इससे विद्यार्थियों में सहकारिता के प्रति व्यावहारिक समझ और रुचि विकसित होती है।

इस अवसर पर ई.आर.सी.एस. कार्यालय तथा सहकारी क्षेत्र से संबंधित गतिविधियों के बारे में भी विद्यार्थियों को जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से सहकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जा रहा है।

कार्यक्रम में स्वच्छ भारत अभियान के महत्व पर भी विशेष चर्चा की गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि स्वच्छता केवल किसी एक अभियान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे दैनिक जीवन की आदत बनाना आवश्यक है। स्वच्छ विद्यालय, स्वच्छ घर और स्वच्छ समाज के निर्माण में प्रत्येक विद्यार्थी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। विद्यार्थियों को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम को संवादात्मक एवं रोचक बनाने के लिए प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्नों के उत्तर दिए और सहकारिता से संबंधित अपनी जानकारी का प्रदर्शन किया। सही उत्तर देने वाले पांच विद्यार्थियों को विद्यालय की प्राचार्या महोदया/महोदय द्वारा दस्तावेज फाइलें प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विद्यार्थी चेतना कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में यह संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचाया गया कि सहकारिता सहयोग, संगठन और आत्मनिर्भरता की शक्ति है। यदि युवा वर्ग प्रारंभ से ही सहयोग की भावना, कौशल विकास, उद्यमिता, स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी को अपने जीवन का हिस्सा बनाए, तो वे न केवल अपने भविष्य को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि समाज एवं राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

हरकोफैड द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को "सहकार से समृद्धि, कौशल से आत्मनिर्भरता और जिम्मेदारी से राष्ट्र निर्माण" की दिशा में प्रेरित करने वाला सार्थक एवं प्रभावी प्रयास रहा।

आवश्यक सूचना

हरियाणा सहकारी प्रकाश मासिक पत्रिका के सदस्यों को सूचित किया जाता है कि हम उन्हें उनकी पत्रिका नियमित रूप से भेज रहे हैं, यदि फिर भी किसी सदस्य को उसकी पत्रिका नहीं मिल रही है तो अपने क्षेत्र के डाकिया से सम्पर्क करें। अगर फिर भी किसी को पत्रिका नहीं मिलती तो आप हमारे कार्यालय में आकर अपने हाथ से पत्रिका को पोस्ट करके अपनी तसल्ली करें।

विचार गोष्ठी

करनाल, 7 अगस्त 2026 :– ग्रामीण महिलाओं को सहकारिता के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर एवं उद्यमी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड (हरकोफैड), पंचकूला द्वारा गांव मंगलोरा, जिला करनाल में सीएम पैक्स एवं महिला बहुउद्देशीय सहकारी समितियों के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 150 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सहकारी आंदोलन से जोड़ना, सहकारी समितियों के माध्यम से उपलब्ध अवसरों एवं योजनाओं की जानकारी देना तथा उन्हें स्वरोजगार एवं मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्माण के माध्यम से आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना रहा।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर हरकोफैड के सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री जगदीप सिंह ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने सहकारिता के मूल सिद्धांतों, उद्देश्यों एवं महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक गतिविधि का माध्यम नहीं, बल्कि सामूहिक शक्ति, आत्मनिर्भरता और सामाजिक विकास का प्रभावी साधन है। उन्होंने महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में सहकारी समितियों से जुड़कर उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया।

सहकारी समितियां, करनाल के निरीक्षक श्री रणधीर सिंह ने सीएम पैक्स एवं महिला बहुउद्देशीय सहकारी समितियों के गठन, पंजीकरण, कार्यप्रणाली तथा इनके माध्यम से संचालित की जा सकने वाली विभिन्न आर्थिक गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं सहकारी क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों से अवगत कराते हुए महिलाओं को संगठित होकर कार्य करने तथा सामूहिक उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का सबसे प्रेरणादायक पक्ष अतुल भारत नारी शक्ति बहुउद्देशीय सहकारी समिति लिमिटेड की निदेशक श्रीमती राजबाला मान द्वारा साझा की गई

सफलता की कहानी रही। उन्होंने बताया कि समिति की शुरुआत मात्र 11 सदस्यों ने मिलकर की थी। प्रारंभ में समिति द्वारा दुग्ध व्यवसाय शुरू किया गया, लेकिन निरंतर प्रयास, प्रशिक्षण और सामूहिक सहभागिता के परिणामस्वरूप आज समिति की सदस्य संख्या 500 से अधिक हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि एनडीआरआई, करनाल के सहयोग से समिति की महिलाओं को दुग्ध प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार करने का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण के उपरांत समिति द्वारा घी, पनीर, मक्खन, लस्सी, आइसक्रीम सहित विभिन्न दुग्ध उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं तथा इन्हें बाजार में विक्रय भी किया जा रहा है।

श्रीमती राजबाला मान ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि संगठन, प्रशिक्षण और सामूहिक प्रयास के बल पर ग्रामीण महिलाएं अपने लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकती हैं और सहकारी समितियां इस दिशा में एक सशक्त मंच प्रदान करती हैं।

एनडीआरआई की डॉ. सोनिया ने महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित एवं पौष्टिक आहार तथा शुद्ध खाद्य पदार्थों के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा परिवार की देखभाल के साथ–साथ अपने स्वास्थ्य और पोषण को भी प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया।

एनडीआरआई के वैज्ञानिक डॉ. अश्वनी ने दुग्ध प्रसंस्करण की आधुनिक तकनीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने दूध से विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार करने की प्रक्रिया, आधुनिक मशीनों के उपयोग तथा उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने के विभिन्न पहलुओं को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि उचित तकनीकी प्रशिक्षण और आधुनिक उपकरणों के प्रयोग से दुग्ध व्यवसाय को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है।

इस दौरान महिलाओं को यह भी समझाया गया कि केवल कच्चे दूध की बिक्री तक सीमित रहने के बजाय दूध से विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार कर उनकी ब्रांडिंग एवं विपणन के माध्यम से आय के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं।

'सहकार से समृद्धि' की दिशा में महिला शक्ति कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि ग्रामीण महिलाओं में प्रतिभा, मेहनत और उद्यमशीलता की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता है तो उन्हें सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, तकनीक, बाजार और सहकारिता का मजबूत मंच उपलब्ध कराने की। महिला बहुउद्देशीय सहकारी समितियां इस दिशा में महिलाओं को एकजुट कर उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रही हैं।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्री जगदीप सिंह, सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी, हरकोफैड ने सभी अतिथियों, विषय विशेषज्ञों, समिति पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से सहकारी आंदोलन को नई ऊर्जा मिल रही है और महिला सहकारी समितियां 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को धरातल पर साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

मंगलोरा में आयोजित यह विचार गोष्ठी केवल जानकारी साझा करने का कार्यक्रम नहीं रही, बल्कि इसने ग्रामीण महिलाओं को यह विश्वास दिलाया कि संगठन की शक्ति, प्रशिक्षण का ज्ञान और सहकारिता का मंच मिलकर आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख सकते हैं।

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
नैनो उर्वरकों का कमाल,
हर खेत-किसान बने खुशहाल
नैनो यूरिया प्लस • नैनो डीएपी
नैनो जिंक • नैनो कॉपर • धरामृत • सागरिका
उत्तम खेती के लिए स्मार्ट समाधान
मिट्टी की उर्वरता बढ़े
पर्यावरण के लिए सुरक्षित
कम मात्रा में अधिक प्रभाव
इफको का है यह अभियान,
स्वस्थ हो धरती, खुशहाल बने किसान
कम लागत में अधिक उत्पादन
फसल की गुणवत्ता में सुधार
भंडारण एवं प्रयोग करने में आसान
नैनो उर्वरक अपनाओ, फसलों का उत्पादन, गुणवत्ता और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाओ।
सागरिका
SAGARIKA
NANO UREA PLUS
NANO DAP
DharAmrut
NANO COPPER
NANO ZINC
IFFDC
IFFCO
इण्डियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड
राज्य कार्यालय हरियाणा एवं दिल्ली
बी. ऐस नकई भवन, प्लाट नं. 2 (बी एवं सी), सैक्टर-28-ए, मध्य मार्ग चण्डीगढ़-160002
फोन नं॰ 0172-4991402-4991417 वेबसाइट - www.iffco.in
follow us or subscribe us iffco_coop iffco Haryana IFFCO Haryana IFFCO_HR
IFFCO BAZAR
IFFCO - MC
CROP SCIENCE

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, हरियाणा डॉ. सुभिता ढाका सहकारिता विभाग के मुख्यालय पर विभाग के अधिकारियो एवं कर्मचारियों के साथ ध्वजारोहण करते हुए।

दिनांक 6 अगस्त 2026 को पंचकुला स्थित सहकारिता विभाग मुख्यालय के समक्ष रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा डॉ. सुभिता ढाका एवं हरको बैंक के चेयरमैन श्री भारत भूषण जुयाल पौधारोपण (पीपल, बरगद व नीम) करते हुए।

हरियाणा सरकार

सहकारिता विभाग, हरियाणा

(हरकोफैड)

हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि०, पंचकुला

द्वारा

सहकारिता जागरूकता अभियान

वित्तीय वर्ष 2026-2027

राज्य के प्रत्येक जिले में

जिला स्तरीय

सहकारिता विचार गोष्ठी

का आयोजन किया जा रहा है

अगस्त 2026 तक
कार्यक्रम आयोजित जिले

9 जुलाई 2026: नारनौल
20 जुलाई 2026: कुरुक्षेत्र
2 अगस्त 2026: पलवल

श्री पंकज यादव, भा.प्र.से.
प्रधान सचिव
सहकारिता विभाग, हरियाणा

डॉ. सुमिता ढाका, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां
हरियाणा

श्री नरेश गोयल
प्रबंध निदेशक, हरकोफैड

अभियान से जुड़ने के लिए सम्पर्क करें - सौरव अत्री, प्रचार अधिकारी 6280460371

सहकार से समृद्धि

HAFED | DAIRYFED | SUGARFED | HARCO BANK | HSCARDB | HARCOFED | LABOURFED | HOUSEFED

समृद्धि से आत्मनिर्भरता

HARCOFED

Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula https://harcofed.haryana.gov.in/ harcofed@ymail.com

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन की ओर से सौरव शर्मा संपादक द्वारा हरियाणा सहकारी प्रेस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264